राजयोग के अभ्यास से ही मानसिक सशक्तिरण और सर्वांगिंण सुरक्षा - बी.के.कमल

नारनौल : संयुक्त राष्ट्र द्वारा सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए घोषित **विश्व स्मृति दिवस** के उपलक्ष्य में आयोजित किया विशेष कार्यक्रम।

* **बी.के.कमल बहन** ने बताया कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य। रोड़ **सेफ्टी के महत्व पर डाला प्रकाश।**

* कार्यक्रम में नारनौल व आसपास के कस्बों की **विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि हुए शामिल।**

***भ्राता सावन्त सिंह, थानाधिकारी**, नारनौल, ने जन समुदाय की सुरक्षा के लिए आयोजित कार्यक्रम के प्रति राजयोग ऐज्यूकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन तथा ब्रह्माकुमारी संस्था का किया धन्यवाद।

***नरेश गोगिया, वाईस प्रेजीडेन्ट, रोड़ सेफ्टी ऑरगेनाइजेशन**, नारनौल, ने ब्रह्माकुमारीज के यातायात एवं परिवहन प्रभाग द्वारा सड़क सुरक्षा जागृति हेतु आयोजित ऐसे कार्यक्रमों को सराहा।

* **राजयोग के माध्यम से दुर्घटना पीड़ितों को दिया शान्ति-दान** तथा सभा में उपस्थित लोगों को **यातायात नियमों के पालन करने की शपथ भी दिलाई गई**।

ब्रह्माकुमारी संस्था के दिव्य ज्योति भवन में **सड़क सुरक्षा पीड़ितों हेतु विश्व स्मृति दिवस** पर आयोजित कार्यक्रम में पधारे विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए **बी.के.कमल बहन** ने **यातायात एवं परिवहन प्रभाग, राजयोग ऐज्यूकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन** के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि हम आये दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं में अपने शहर के नागरिकों के बहुमुल्य जीवन को नष्ट होते हुए देख और सुनकर बहुत ही आहत होते हैं। ब्रह्माकुमारी संस्था समाज के प्रत्येक व्यक्ति के सुख और शान्तिमय जीवन की शुभकामना रखता है।

उन्होंने कहा कि हालांकि ट्रैफिक पुलिस तथा आर. टी. ओ. विभाग द्वारा सुरक्षा नियमों की अनुपालना के लिए काफी प्रयास किये जाते हैं परन्तु नागरिकों द्वारा इसे मन से स्वीकार नहीं किया जाता है जिसके कारण बार-बार नियमों का उल्लंघन करते हैं। इसीलिए आध्यात्मिक शिक्षा के माध्यम से जीवन के महत्व को समझानें एवं राजयोग के अभ्यास से मन को सशक्त बनाकर सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करने हेतु जागृत करने के लिए सामाजिक सशक्तिकरण और सर्वांगिंण सुरक्षा का यह एक उत्तम प्रयास है।

ऐन्टी क्राईम ग्रुप के उपाध्यक्ष सुभम कान्थल ने सड़क दुर्घटना में हुई निजी क्षति का अनुभव सुनाते हुए कहा कि कुछ सप्ताह पहले ही बिना हेलमेट पहने स्कूटर चलाते हुए सड़क दुर्घटना में मैंने अपनी भतीजी को खो दिया जिसके सदमें से अभी तक भी हम बाहर नहीं निकल पाये हैं।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद के संरक्षक जितेन्द्र भारद्वाज ने संस्था की प्रशसां करते हुए बताया कि उनके निजी संबन्धी भी 2-पहिया चलाते समय हेलमेट के प्रयोग के कारण सड़क हादसे में गम्भीर चोट से बच गये। इसी प्रकार से नारनौल साइकलिस्ट ग्रुप के अध्यक्ष सफी मोहम्मद ने अपने अनुभव में बताया कि उनके छोटी बेटी भंयकर

एक्सीडेंट के शिकार हुई, हाथ-पैर की हड्डियां टूट गई परन्तु अच्छी क्वालिटी का हेलमेट पहना होने के कारण ही आज जिन्दा है और फिर से काम करने लायक भी हो गयी है।

ट्रैफिक नियंत्रण में व्यस्त रहने वाले होमगार्ड इन्सपेक्टर टेकचन्द ने कहा कि आज भारत में सड़क दुर्घटनाओं के जो मुख्य कारण है उनमें *नशे की हालत में वाहन चलाना, गति सीमा से ज्यादा रफ़्तार से वाहन चलाना, गलत तरीके से ओवरटेक करना* और *शरीर थका होने के बावजूद वाहन चलाना* आदि प्रमुख हैं। सुरक्षित रहकर ही जीवन को सफल और खुशहाल बना सकते हैं।

बी.के.अंजु बहन ने अपने उद्बोधन में ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग से लाभ लेकर सुखमय जीवन जीने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर नारनौल व्यापार मण्डल के प्रधान भ्राता सुदर्शन बंसल, नर-नारायण समिति के रामसिंह, समाज सेवी बद्री प्रसाद सहित अनेक प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

Narnaul WDR2018- BK Kamal Behn, Senior Rajyoga Teacher explaining purpose of program …Details- Left To Right B.K. Kamal Behn, Senior Rajyoga Teacher, Narnaul; Bro Naresh Gogiya,Vice President, Road Safety Organisation, Narnaul; Savant Singh, Traffic Incharge and SHO, Haryana Police, Narnaul; B.K Anju Ben, Senior Rajyoag Teacher, Narnaul; Bro Tekchand, Inspector, Home Gaurd, Bro Baldev Chahal, Social worker and Businessman and others